ANTICHRIST

अन्तिक्रइस्ट

इसा मसीहा ने कहा..... " अब मैने तुम्हे बताया है, **<u>इससे पहले की यह हो,</u>** ताकि **<u>जब यह हो</u>** तो **<u>तुम मानो</u>**" (जॉन १४:२९).

जिंदगी की येही रीति है, जब तक कोई बात हो न जाये, उसे कोई नहीं मानता. **"जब होगा, तब मानूंगा"** सब येही कहते हैं. चलो अब अपनी ही आँखों से तुम देख लो, अभी यहीं पर. लेकिन इसके पहले कुछ कसौटियां बिछ जानी चाहिए. बाइबिल ने आज्ञा दी है की ".....इस **<u>विशुद्ध ग्रन्थ में लिखी हुई कोई भी बातें, अपने निजी तौर पर व्याख्या करने के लिए नहीं होतीं</u>.**(२ पेतेर १:२०)

भगवान की बातें, अपने आप ही अपना व्याख्या करेगी. ४०४ छंदें रेवेलातिओंस के पुस्तक में हैं और इन ४०४ छंदों में २७८ प्रवचन वाकय हैं और यह २७८ वाकय बाइबिल के सभी और पुस्तकों में पाए गए हैं. **अर्थात बाइबिल अपनी व्याख्या खुद करता है.** यदि बाइबिल में केवल ८ प्रवचन ही होते तब भी यह असंभव होता के यह सारे ८ प्रवचन एक आदमी में पाए जाये. अन्तिक्रिस्ट के भी येही लक्षण हैं. अच्छा हम ऐसा करतें हैं की ११ प्रवचनों के अनुसार अन्तिक्रिस्ट को परख्तें हैं और देखतें हैं की ऐसा कौन है जो इस ११ परवचन सत्य एक ही जगह दिखलाता है. ऐसा करने पर सारे संदेह मिट जायेंगे.

प्रवचन #१

 "………….मैंने एक **<u>स्त्री</u>** को तीखे लाल रंग के **<u>जानवर</u>** पर बैठा देखा". रेवेलातिओंस १७:३

बाइबिल अपनी प्रवचनों की व्याख्या खुद करता है, तो वह स्त्री और जानवर के बारे में क्या कहता है?

स्त्री = चर्च

जेरेमिः १६:२ "मैंने सायन की पुत्री को भव्य और मृदुल स्त्री पाया."

जानवर = एक राज्य/ देश

दानिएल ७: १७ "यह भयंकर जानवर जो चार हैं, यह चार राजा हैं"

दानिएल कहतें हैं की स्त्री (चर्च) एक जानवर (राज्य) के साथ मिल जायेगी. अब हमारे पृथ्वी पर ऐसा कौन सा देश है जो चर्च भी है और राज तंत्र में है. दानिएल ७:२३ में कहता है की ऐसा करने पर वह सबसे अलग दिखाई पड़ेगा, न उसके पहले ऐसा था और न बाद में. पूरे विश्व में वथिकन के इलावा ऐसा कोई और देश नहीं जो एक देश भी है और रोमन कैथोलिक चर्च भी.

प्रवचन # २

"………….मैंने एक **<u>स्त्री</u>** को तीखे लाल रंग के **<u>जानवर</u>** पर बैठा देखा, **<u>जिसके ७ शिरस थें</u>**". रेवेलातिओंस १७:३

अपोस्थोल जॉन ने कहा है की यह जावर जिस पर यह स्त्री बेठी है उसके ७ शिरस हैं. अब प्रवचन में यह ७ शिरस क्या हैं? रेवेलातिओंस के ९ अध्याय में कहा है की यह ७ शिरस ७ पर्वत हैं, जिसके ऊपर वह स्त्री बेठी है.

रोमन कैथोलिक चर्च ने इसका प्रमाण खुद दिया था. वथिकन राज्य, रोमे नगरी के सात पर्वतों की नगरी में अब वथिकन सिटी स्थित है. -कैथोलिक एन्सैक्लोपेडिया प. ५२९

प्रवचन # ३

".....उस **<u>जानवर का नाम</u>**, या उसके **<u>नाम के अंक</u>** एक **<u>आदमी के अंक हैं</u>** और वह अंक है **६६६**" रेवेलातिओंस १३:१७, १८

इस प्रवचन के अनुसार, एक आदमी ही इस चर्च और राज्य के अधिकार में रहेगा और उसके नाम में यह अंक मिलेगा. वथिकन सर्कार हमेशा एक पापे को ही उसका अधिकारी चुनती है. जब एक पोप मर जाये तो दूसरा उसके स्थान में तुरंत नियुक्त हो जाता है. उसके कब्र से, उसे उसका ही नाम व पद मिल जाते हैं. हर पोप को वाही नाम और पद से जाना जाता है. वह नाम क्या है?

हर पोप के राजसी टोपी पर (जो थोडा ऊँचा उठा हुआ टोपी होता है) यह आलेखन है VICARIVS FILII DEI जो लाटिन भाषा में "भगवान के पुत्र का विकारी" अर्थ देता है.) रोमन कैथोलिक यह मानना है की जब इसा मसीहा स्वर्ग आरोहन के पहले, पीटर (उनके शिष्य) को अपना विकारी चुन गए. और येही पद कैथोलिक पोप को दिया गया है.

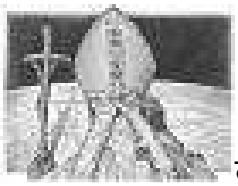

लाटिन भाषा का येही एक दिलचस्ब बात है की उनकी भाषा रोमन वर्णमाला भी है और उनके रोमन अंक भी.

VICARIVS FILII DEI = भगवान के पुत्र का विकारी

V = ५ **I = १** **C = १००** **A = ०** **R = ०** **I = १** **V = ५** **S = ०** **कुल = ११२**	**F = ०** **I = १** **L = ५०** **I = १** **I = १** **कुल = ५३**	**D = ५००** **E = ०** **I = १** **कुल = ५०१**

कुल मिलाकर : ११२+५३+५०१=६६६

प्रवचन #४

".....मैं समुद्र के तट पर खड़ा हो गया और मैंने देखा की एक जानवर समुद्र से निकल आ रहा है और **<u>उसके सात सर हैं और उनपर भगवान विरुद्ध लिखा है</u>**". रेवेलातिओंस १३:१

प्रवचन से सिद्ध होता है की यह जानवर जो सात पर्वतों में स्थित है वह भगवान के खिलाफ होगा. बाइबिल "भगवान विरुद्ध" बातें क्या बताता है? दो व्याख्याएं है.

१. जब एक इंसान अपने आपको भगवान बताता है

"येहूदी लोगों ने उत्तर दिया, हम तुम्हारे साद कर्मों के लिए तुम पर पत्थर नहीं फ़ेंक रहे है, अपितु तुम्हारे **<u>भगवान विरुद्ध</u> बातों** के लिए, क्योंकि तुम **<u>एक इंसान होकर अपने आप को भगवान बनाते हो</u>**". -जॉन १०:३३

२. जब इंसान पापों को क्षमा करने योग्य अपने आपको समझता है

" .....**<u>यह कौन है जो भगवान के विरुद्ध बोलता है</u>**? **<u>भगवान के अतिरिक्त और कौन पापों को क्षमा करता सकता है</u>**?" लुक ५:२१

१. तो क्या पोप अपने आपको भगवान बताता है?

"**<u>रोम का पोंतिफ़्फ़</u>** (पोप का दफ्तर) हर एक मनुष्य पर **<u>विधि न्याय</u>** कर सकता है, पर **<u>पोप पर कोई नहीं</u>** और अपने **<u>आत्मीय रक्षा</u>** हेतु हर किसी को **<u>रोम के पोंतिफ़्फ़</u> का** अनुसरण करना होगा. **<u>मुझे सारे</u>**

अधिकार हैं, और में **वह सब कर सकता हूँ जो केवल भगवान करता है,** की में ही **भगवान की तरह हूँ और सबसे ऊपर हूँ.**" -पोप बोनिफस ८

"**भगवन और पोप एक हैं** और **उसे स्वर्ग व धरती के सारे अधिकार प्राप्त हैं**" -पोप पीउस ५

पोप न केवल इसा मसीहा का प्रतिनिधित्व कर रहा है बल्कि वह तो **इसा मसीहा ही है**, जो अपने मांस के परदे में छिपा है. -कैथोलिक नेशनल जुलाई १८९५

२. क्या पोप पापों से मुक्ति दिलवाने का दवा करता है?

"इस न्याय के अधिकार को पापों से मुक्ति दिलवाने का हक है" -कैथोलिक एन्सैक्लोपेडिया वोलुम १२ पेज २६५

स्वयं भगवान भी इस अधिकार से बांधें है जो पुरोहित को यह हक प्राप्त है की वह किस पापों से मुक्ति दिलाता है और किस्से नहीं. पुरोहित के कार्य अधिकार, प. २७

प्रवचन #५,६ और ७

".....यह तो वही जानवर है **जो था**, **नहीं था और है**." -रेवेलातिओंस १७:८

प्रवचन कहता है की यह जानवर अधिकार में एक समय रह चूका है, फिर उसका अधिकार नहीं रहेगा और फिर से अधिकार में वापस आयेगा. क्या हमें इतिहास यह तीनों बातें वथिकान के बारे में साबित दिखला सकेगा?

पहले था: वथिकन एक चर्च व राज्य बना

"विगिलिउस.....पोप के कुर्सी पर विराजे" (सन ५३८ अ. डी) बेलिसरिउस के अभ्यंतर रक्षा में"-हिस्टरी ऑफ क्रिस्टियन चर्च, वोल.३ पेज ३२७

नहीं था: वथिकन चर्च व राज्य के अधिकार खो गए

“सन १७९८ में गेनेरल बेर्थिएर ने.....पपल अधिकारों को हटा दिया और मतेतर राज्य की स्थापना की.” एन्सैक्लोपेडिया ब्रितान्निका १९४१ एडिशन

और है: वथिकन वापस चर्च और राज्य के अधिकार में

“.....आज सुबह एक और स्वतन्त्र राज्य विश्व में..... प्रेमिएर मिस्सुलोनी (हिटलर) और कार्डिनल गस्प्परी वथिकन राज्य..... की स्थापना पर हस्ताक्षर किये”. -न्यू योर्क टेम्स, जुलाई ७, १९२९

तो वथिकन अधिकार में था सन ५३८ अ.डी से १७९८ अ.डी तक . अधिकार में नहीं था १७९८ अ.डी से १९२९ अ.डी तक और अब १९२९ अ.डी से अधिकार में है जो की हम देख रहे है.

प्रवचन # ८

“.....शक्ति उसे दी गइ थी की वह ४२ महीने लगातार विशुध लोगों के साथ युद्ध करें” रेवेलातिओंस १३:५,७

प्रवचन में एक दिन = एक वर्ष (एज़किएल ४:६ और नम्बर्स १४:३४) और बैबिली महीना =३० दिन (जेनेसिस ७:११ और जेनेसिस ८:३,४ १५० दिन को अगर हम ५ महीनों से दिवेद करें तो हमें ३० दिन =१ महीना मिलेगा अर्थात ४२ महीना प्रवचन में १२६० वर्ष हैं (दानिएल ७:२५ और रेवेलातिओंस १२:६ भी देख लें १२६० वर्ष के बारे में) मार्च १२, २००० में पोप जॉन पुल २ ने “मिया कुल्पा” में यह बात कबूल किया की वथिकान ने करोड़ों लोगों की हत्या ५३८ अ.डी और १७९८ अ. डी के बीच किया था. अब कुछ गणित, १७९८ - ५३८ = १२६० वर्ष रोमे ने विशुधों के साथ युद्ध किया.

इतिहास साक्षी है की १०० करोड से भी अधिक इसायिओं ने अपनी जान का बलिदान दिया, सिर्फ इस बात के लिए की वह रोमे के विरुद्ध पढ़ा रहे थे और सत्य को पकडे हुए थे. -ब्रिएफ़ बिबले रेअदिंग्स फॉर थे होम, प. १६

प्रवचन #९

"वह (जानवर) यह सोचेगा की वह समय और नियमों को बदल देगा"-दानिएल ७:२५

दानिएल बोल रहे हैं की वथिकन समय और नियमों को बदल देने की सोचेगा. क्या ऐसा है?

पोप को यह अधिकार है की वह **<u>समय को नियम बदलने के लिया बदल सकता है</u>**. फेररइस एच्क्लेस्सिअस्तिकल दिक्तिओनारी

पोप ऐसी शक्ति है की वह **दिव्या नियमों को भी मरोड़ सकता है**. "पापा आर्ट २ ट्रांस्लातेद"

बाइबिल कहता है की इश्वर के सब्बाथ को श्रधा से देखो **पर कैथोलिक चर्च कहता है नहीं, मेरे शक्ति से मैंने इसे सन्डे(रविवार) बनाया है, तुम इसका पालन करो.** और देखो पूरी दुनियां इसके आगे शीश नवाता है. हिस्टरी ऑफ सब्बाथ प. ८०२ बाइबिल में एक भी ऐसा वाकया आप को नहीं मिलेगा जो यह बोलता हो की **सब्बाथ का दिवस शनिवार से हफ्ते के पहले दिन में बदला है.**

प्रवचन # १०

"और उस स्त्री के माथे पर यह लिखा था, रहस्य, महतिया बाबिलोन, भूमि में सभी वेश्याओं और हर प्रकार की म्लेछताओं की माता" रेवेलातिओंस १७:५

हम यह बात तो पढ़ चुके की प्रवचन में "स्त्री= चर्च" होता है. वेश्या भी स्त्री है मगर अपवित्र है क्योंकि उसने आत्मीय तौर पर व्यभिचार किया, अपने पति जीसस के होते. (रेवेलातिओंस १८:२३) क्या संसार में आज उपस्थित हर चर्च में येही व्यभिचार हो रहा है जो माता रोम कह रही है?

"यदी उसमें यह शक्ति न होती, तो क्या उसके कहने पर आधुनिक संसार उसे मान लेता? जब उसने सब्बाथ शनिवार से रविवार के दिन होने का दावा किया तो उसे क्यो माने? इसका तो वेदों में भी कहीं समर्थन नहीं है-एक भी वाक्य नहीं और फिर भी सबने माना. -रेव. स्टीफन कीनन "चर्च के प्रति अनुसरण" चाप. २, प. १७४ (इम्प्रमातयूर, जॉन कार्डिनल मक क्लोस्केय) अर्च्बिशोप ऑफ न्यू योर्क

पोप को समुच अधिकारी माना गया समस्त ईसाई लोक में.....यदि एक नए एकत्र ईसाई समूह हो तो उसका परम उच्च अधिकार रोम के पोप होंगें. -इलेक्ट्रोनिक टेलीग्राफ, यु के न्यूस, मई १३, १९९९ ओलिवर पूल.

एकत्र धार्मिक समूह का विचार जून २६, २००० में प्रारंभ हुआ और हस्ताक्षर लिए. इसका अर्थ यह हुआ, की अब पोप ने तुम्हारे चर्च का भी परम उच्च अधिकार है. क्योंकि सभी चर्च इसके अनुसार अब रोम के पोप के अधीन हो गए.

प्रवचन ११

"..**दस राजा** एक घंटे उस **जानवर के साथ** अधिकार पाएंगे" -रेवेलातिओंस १७:१२

यहाँ पर प्रवचन यह कहता है की लोकवासन होने से पहले रोमन कैथोलिक वाटिकां पुरे विश्व को १० राज्यों में बाट कर -आगोल राज करेगा.

थे क्लब, जिसका जनम १९६८ अप्रैल में हुआ और **दस भिन्न राज्यओं** के नेता **रोम में** एकत्र हुए और उस क्लब ने १७ सितम्बर १९७३ को इन राज्यों को जिसे वह स्वयं "दस राज्य" कह कर रहस्य रूप में घोषित किया. इसमें उनका यह विचार था की वह **पुरे विश्व के समाधान और आर्थिक उन्नती की तरफ ध्यान देंगें**.

यह दसों राज्य यूँ हैं

१. कनाडा और युनितेद स्टिट्स ऑफ अमरीका
२. यूरोपियन यूनियन और पश्चिमी युरोप
३. जापान
४. आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, साऊथ अफ्रीका, इस्राएल और पसिफिक द्वीप समूह
५. पूर्वी युरोप
६. लाटिन अमेरिका -मक्सिको, सेंट्रल और दक्षिण अमेरिका
७. उत्तर अफ्रीका और मिडल ईस्ट

८. मध्य अफ्रीका

९. दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी एशिया

१०. मध्य एशिया

२ टीस्लोनियनस २:३ कहता है "कोई भी तुम्हें धोका देने न पायें, क्योंकि उस दिन के आने के **पहले अनेकों विश्वास से हट जायेंगे और वह पापी साफ़ नज़र आने भी लगेगा**." आज के समूह में हम यह देख सकते हैं की अनेकों लोग सच्चे विश्वास से हट गए और इस लेखन के द्वारा अब भगवान के लोग अन्तिक्रैस्त से भी परिचित हो गए. जब ईसाई प्रवचन इतने सत्य हो सकतें हैं तो हम सत्य को मान क्यों नहीं जाते? (अमोस ८:११ देखिये)

एडी आप प्रभु इसा मसीहा के लिए तय्यार होना चाहते हैं या फिर आप एक अच्छे विश्वासी हैं और आपको किसी विषय पर मार्गदर्शन चाहिए, तो हमें संपर्क करें.....

Presents of God ministry
PO Box 522
Fowler, IN 47944

Or visit us online at**,** **www.RemnantofGod.org**